बीए अर्थशास्त्र

Semester 01 (Paper 01)

पूर्ति विश्लेषण तथा पूर्ति का नियम
(Supply Analysis and Law of Supply)

पूर्ति का अर्थ (Meaning of Supply)

किसी वस्तु की पूर्ति से अभिप्राय वस्तु की उन मात्राओं से हैं जिन्हें एक विक्रेता विभिन्न संभव कीमतों पर एक निश्चित समय में बेचने को तैयार रहता है।

परिभाषाएं (Definitions):

थॉमस के अनुसार, "वस्तुओं की पूर्ति वह मात्रा है जो एक बाजार में किसी निश्चित समय पर विभिन्न कीमतों पर बिकने के लिए प्रस्तुत की जाती है"।

प्रो. मेयर के अनुसार, "पूर्ति किसी वस्तु की मात्राओ की वह अनुसूची है जो विभिन्न कीमतों पर किसी विशेष समय या समय की अवधि में उदाहरण के अनुसार एक दिन, एक सप्ताह आदि जिसमें पूर्ति की सभी दशाएं स्थिर हों, विक्रय के लिए प्रस्तुत की जाए"।

पूर्ति तथा स्टॉक में अंतर

स्टॉक वस्तुओं की वह मात्रा जो किसी एक विशेष समय बाजार में विक्रेताओं के पास मौजूद हैं,
जबकि पूर्ति वह मात्रा है जिसे किसी निश्चित समय में किसी निश्चित कीमत पर विक्रेता बेचने को तत्पर हैं।

पूर्ति के प्रकार (Types of Supply)

1. व्यक्तिगत पूर्ति (Individual Supply)
2. बाजार पूर्ति (Market Supply)

अर्थशास्त्र के सभी विषयों एवं कक्षाओं के नोट्स, प्रश्नोत्तर, सैंपल पेपर, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, विगत वर्षों के प्रश्नपत्र, अभ्यास प्रश्नपत्र (हिंदी या अंग्रेजी माध्यम) के PDF आपको www.theeconomicsguru.com पर मिल जायेंगे।

इसके साथ ही सभी हिंदी माध्यम तथा अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए Free **LIVE CLASS** भी उपलब्ध है, हमारे **YOUTUBE CHANNEL "THE ECONOMICS GURU"** पर । अभी **subscribe** कर लीजिये और ज्यदा से ज्यादा **शेयर** कर दीजिये अपने दोस्तों के बीच।

किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आप हमसे सम्पर्क कर सकते है, YOUTUBE के कमेंट बॉक्स में कमेन्ट करें या वेबसाइट के Email वाले Option में जाकर **Email** करे या WhatsApp कर सकते है (Website में लिंक दिया गया है।

धन्यवाद

नकुल ढाली

The Economics Guru

लाभार्थी बोर्ड:

CBSE, UK Board, UP Board, Bihar Board, MP Board, CG Board, Rajasthan Board, Haryana Board

साथ ही **BA; B.COM; MA** के सभी SEMESTER लिए भी अध्ययन सामग्री उपलब्ध है।

अभी VISIT करें www.theeconomicsguru.com

Subscribe my **YOUTUBE** channel **THE ECONOMICS GURU**

Follow me:

Facebook- *Nakul Dhali*

Instagram- *@theeconomicsguru*

THE ECONOMICS GURU

EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

व्यक्तिगत पूर्ति (Individual Supply)

वस्तु की वह मात्राएँ जिन्हें एक विक्रेता विभिन्न संभव कीमतों पर एक निश्चित समय पर बेचने को तैयार रहता है व्यक्तिगत पूर्ति कहते हैं।

बाजार पूर्ति (Market Supply)

किसी वस्तु की बाजार में सभी उपस्थित फर्मो द्वारा या विक्रेता के द्वारा की गयी पूर्ति जो उस वस्तु का उत्पादन यह बिखरे करती है बाजार पूर्ति कहलाती है। बाजार पूर्ति को उद्योग पूर्ति भी कहा जाता है।

पूर्ति तालिका (Supply Schedule)

विभिन्न कीमतों पर बाजार में वस्तु की बेची जाने वाली मात्राओं को यदि तालिका में व्यक्त कर दिया जाए तो इससे पूर्ति तालिका कहते हैं।

पूर्ति तालिका दो प्रकार की होती है:

1. व्यक्तिगत पूर्ति तालिका
2. बाजार पूर्ति तालिका

व्यक्तिगत पूर्ति तालिका (Individual Supply Schedule)

एक विक्रेता किसी समय अवधि विशेष में विभिन्न कीमतों पर वस्तुओं की जितनी मात्रा बाजार को बेचने को तैयार रहता है, उसे यदि तालिका के रूप में प्रदर्शित किया जाये तो उसे हम व्यक्तिगत पूर्ति तालिका कहते हैं।

वस्तु की कीमत प्रति इकाई (₹)	पूर्ति मात्रा (Q)
2	10
4	20
6	30
8	40
10	50

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

बाजार पूर्ति तालिका (Market Supply Schedule)

बाजार में सभी फर्में अथवा विक्रेता मिलकर विभिन्न कीमतों पर बाजार में कुल कितनी मात्रा बेचने को तैयार है, इसका निर्धारण एक तालिका में प्रदर्शित बाजार पूर्ति तालिका करती है।

इस प्रकार बाजार पूर्ति तालिका सभी प्राय बाजार में किसी वस्तु का उत्पादन या आपूर्ति करने वाली सभी फर्मो की पूर्ति के जोड़ से है।

प्रति इकाई कीमत	विक्रेता A	विक्रेता B	बाजार पूर्ति (A +B)
2	10	5	15
4	20	10	30
6	30	15	45
8	40	20	60
10	50	25	75

पूर्ति वक्र (Supply Curve)

पूर्ति तालिका का वक्र के माध्यम से प्रदर्शित करना पूर्ति व कहलाता है।

पूर्ति वक्र दो प्रकार का होता है:

1. व्यक्तिगत पूर्ति वक्र
2. बाजार पूर्ति वक्र

व्यक्तिगत पूर्ति वक्र (Individual Supply Curve)

व्यक्तिगत पूर्ति तालिका को वक्र पर प्रदर्शित करने पर व्यक्तिगत पूर्ति वक्र प्राप्त होता है। इस वक्र का ढाल नीचे से ऊपर की ओर बढ़ता हुआ होता है, जो वस्तु की कीमत एवं उसकी पूर्ति में धनात्मक संबंध प्रदर्शित करता है।

कीमत प्रति इकाई (₹)	पूर्ति मात्रा (Q)
2	10
4	20
6	30
8	40
10	50

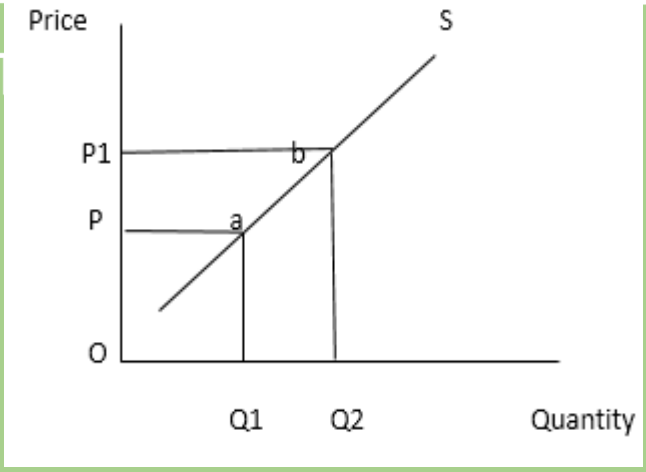

बाजार पूर्ति वक्र (Market Supply Curve)

बाजार पूर्ति तालिका को ग्राफ पेपर पर अंकित करके बाजार पूर्ति बक्र प्राप्त किया जा सकता है।

प्रति इकाई कीमत	विक्रेता A	विक्रेता B	बाजार पूर्ति (A +B)
2	10	5	15
4	20	10	30
6	30	15	45
8	40	20	60
10	50	25	75

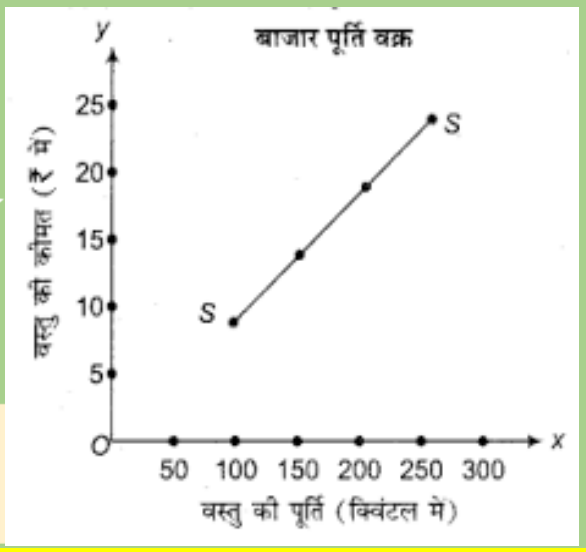

पूर्ति फलन या पूर्ति को निर्धारित करने वाले घटक

वस्तु की पूर्ति एवं इसके निर्धारक तत्वों के बीच कार्यात्मक संबंध को पूर्ति फलन कहा जाता है।

Sx = f(Px, Pr, Pf, T, N, G, Ex, Gp)

Sx – बस्तु की पूर्ति
Px - वस्तु की कीमत
Pr - संबंधित वस्तुओं की कीमत
Pf - उत्पादन साधनों की कीमत
T - उत्पादन तकनीक
N - फर्मो की संख्या
G - फर्म का उद्देश्य
Ex - भविष्य में संभावित कीमत
Gp - सरकारी नीति

वस्तु की पूर्ति के निर्धारक घटक

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

वस्तु की कीमत - किसी वस्तु की पूर्ति तथा कीमत में प्रत्यक्ष संबंध होता है। सामान्य दशाओं में वस्तु की कीमत बढ़ने से वस्तुओं की पूर्ति बढ़ती है तथा कीमत कम होने से वस्तुओं की पूर्ति घटती है।

संबंधित वस्तुओं की कीमत - किसी वस्तु विशेष की पूर्ति अन्य संबंधित वस्तुओं की कीमत से अप्रत्यक्ष रूप से संबंधित होती है। जैसे चावल की कीमत में वृद्धि होने से गेहूं की पूर्ति गिर जाती है।

उत्पादन साधनों की कीमत- उत्पत्ति के साधनों की कीमत बढ़ने पर उत्पादन लागत में वृद्धि होती है जिससे उत्पादों का लाभ घटता है और वे उत्पादन कम कर देते हैं, जिससे आपूर्ति भी कम होती है।

तकनीकी स्तर- तकनीकी स्तर में परिवर्तन से नवीन एवं कम लागत वाली उत्पादन तकनीकों का आविष्कार होता है जिससे उत्पादन लागत में कमी होती है और वस्तु की पूर्ति में वृद्धि।

फर्मो की संख्या- किसी वस्तु की बाजार पूर्ति फर्मो की संख्या पर भी निर्भर करती है। फर्मो की संख्या अधिक होने पर पूर्ति अधिक होती है।

फर्म का उद्देश्य- यदि फर्म का उद्देश्य लाभ को अधिकतम करना है तो वह केवल अधिक कीमत पर ही पूर्ति अधिक करेंगे। इसके विपरीत यदि फर्म का उद्देश्य बिक्री या उत्पादन को अधिकतम करना है तो वह कम कीमत पर भी अधिक पूर्ति करेंगे।

भविष्य में संभावित कीमत- निकट भविष्य में वस्तु की कीमत में कमी होने की संभावना होने पर वर्तमान में वस्तुओं की पूर्ति बढ़ जाती है।

सरकारी नीति- सरकार की कर या अनुदान संबंधी नीतियों का वस्तु की बाजार पूर्ति पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है।

पूर्ति का नियम (Law of Supply)

पूर्ति के नियम के अनुसार, अन्य बातें सामान्य रहने पर वस्तु की कीमत वृद्धि पूर्ति को बढ़ाएगी तथा वस्तु कीमत में कमी पूर्ति को घटाएगी।

इस प्रकार वस्तु की कीमत तथा वस्तु की पूर्ति में प्रत्यक्ष और सीधा संबंध पाया जाता है।

THE ECONOMICS GURU

पूर्ति का नियम वस्तु की कीमत एवं उसकी पूर्ति के बीच धनात्मक संबंध को व्यक्त करता है।

प्रो. मार्शल के अनुसार, "पूर्ति का नियम यह बताता है कि अन्य बातें समान रहने पर जितनी कीमत अधिक होती है, उतनी ही पूर्ति अधिक होती है। इसके विपरीत वस्तु की कीमत जितनी कम होती है, उसकी पूर्ति भी उतनी ही कम होती है"।

कीमत	पूर्ति की गई मात्रा
20	100
30	200
40	300
50	400

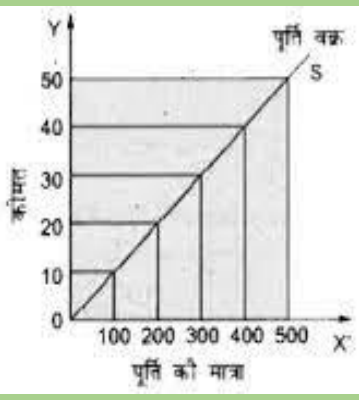

पूर्ति के नियम की मान्यताएँ

1. बाजार में क्रेताओं और विक्रेताओं की आय स्तर में कोई परिवर्तन नहीं होना चाहिए।
2. स्थानापन्ननो की कीमत में कोई परिवर्तन नहीं होने चाहिए।
3. उत्पत्ति के साधनों की कीमत स्थिर रहनी चाहिए।
4. तकनीकी ज्ञान का स्तर स्थिर रहना चाहिए।
5. सरकारी नीती में कोई परिवर्तन नहीं होना चाहिए।
6. क्रेता तथा विक्रेता की रूचि, आदत, फैशन आदि में परिवर्तन नहीं होना चाहिए।

पूर्ति के नियम के अपवाद

- कृषि वस्तुओं पर यह नियम अनिवार्य रूप से लागू नहीं होता।
- नाशवान वस्तुओं पर पूर्ति का नियम लागू नहीं होता।
- सामाजिक प्रतिष्ठा वाली वस्तुओ में भी यह नियम लागू नहीं होता।

पूर्ति में परिवर्तन (Change in Supply)

पूर्ति में परिवर्तन मुख्य रूप से दो कारणों से होता है:

1. कीमत में परिवर्तन के कारण पूर्ति वक्र पर संचलन
2. कीमत के अतिरिक्त अन्य तत्वों में परिवर्तन के कारण पूर्ति वक्र का खिसकाव

कीमत में परिवर्तन के कारण पूर्ति वक्र पर संचलन

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

अन्य बातें सामान रहने पर कीमत में परिवर्तन होने से पूर्ति में परिवर्तन होते रहते हैं। यह परिवर्तन पूर्ति के नियम के अनुरूप होते है, जैसे कीमत में कम होने पर पूर्ति में कमी और कीमत के बढ़ने पर पूर्ति में वृद्धि।

पूर्ति में होने वाले इस प्रकार के परिवर्तन से पूर्ति वक्र ऊपर या नीचे की ओर संचलित होता है।

यह परिवर्तन दो प्रकार से होता है:

पूर्ति का विस्तार और पूर्ति का संकुचन

पूर्ति का विस्तार (Extension of Supply)

अन्य बातें सामान रहने पर जब किसी वस्तु की कीमत बढ़ने पर उसकी पूर्ति बढ़ जाती है तो इस बढ़ती हुई पूर्ति को पूर्ति का विस्तार कहते हैं। इस अवस्था में पूर्ति वक्र ऊपर की ओर संचलित होता है।

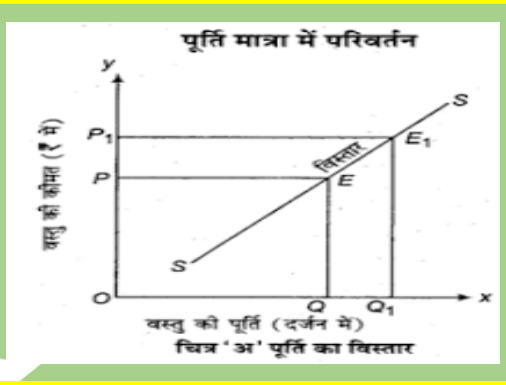

चित्र 'अ' पूर्ति का विस्तार

पूर्ति का संकुचन (Contraction of Supply Curve)

अन्य बातें सामान रहने पर जब किसी वस्तु की कीमत के कम होने के फलस्वरूप उसकी पूर्ति कम हो जाती है तो पूर्ति में होने वाली कमी को पूर्ति का संकुचन कहते हैं। इस अवस्था में पूर्ति वक्र नीचे की ओर संचालित होता है।

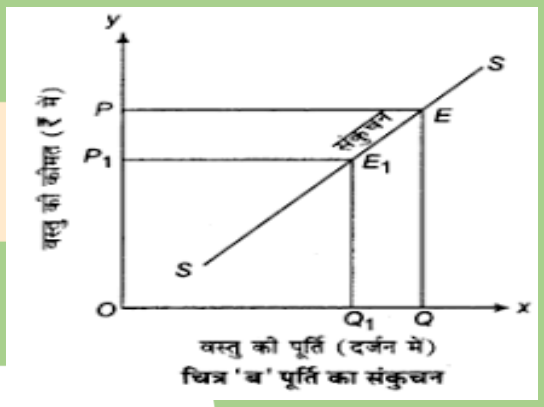

चित्र 'ब' पूर्ति का संकुचन

कीमत के अतिरिक्त अन्य तत्वों में परिवर्तन के कारण पूर्ति वक्र का खिसकाव

कीमत के अतिरिक्त अन्य कारक यह तत्व जैसे तकनीकी सुधार, यातायात के साधनों का विकास, आय में वृद्धि आदि में परिवर्तन होने पर वस्तु में भी परिवर्तन होता है। इस प्रकार की परिवर्तन से पूर्ति वक्र अपने स्थान से दायें या बाईं ओर खिसक जाता है।

यह परिवर्तन दो प्रकार से होता है:

पूर्ति में वृद्धि तथा आपूर्ति में कमी

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

पूर्ति में वृद्धि (Increase in Supply)

वस्तु की कीमत सामान रहने पर यदि किसी वस्तु की पूर्ति बढ़ जाती है या कीमत कम होने पर पूर्ति सामान रहती है तो दोनों ही परिस्थितिया पूर्ति में वृद्धि को बताता है।

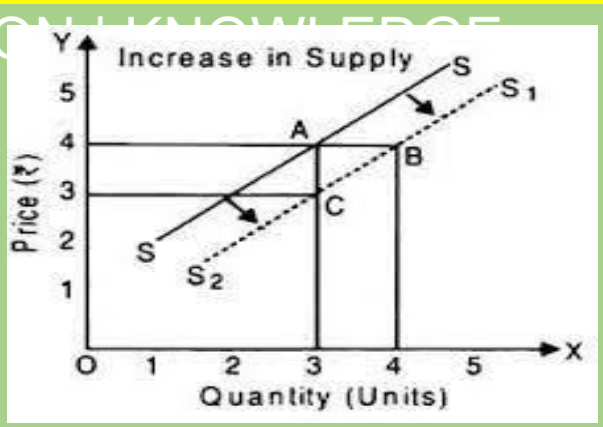

पूर्ति में वृद्धि के कारण

- तकनीकी प्रगति
- उत्पादन साधनों की कीमतों में कमी
- स्थानापन्न वस्तुओं की कीमतों में कमी
- उत्पादकों के उद्देश्य में परिवर्तन
- उद्योग में फर्मो की संख्या में वृद्धि
- भविष्य में कीमत घटने की संभावना
- करों में कमी
- अनुदान में वृद्धि

पूर्ति में कमी (Decrease in Supply)

वस्तु की कीमत सामान रहने पर यदि किसी बस्तु की पूर्ति कम हो जाती है अथवा कीमत बढ़ने पर भी पूर्ति सामान्य रहती है तो इस परिवर्तन को पूर्ति में कमी कहा जाता है।

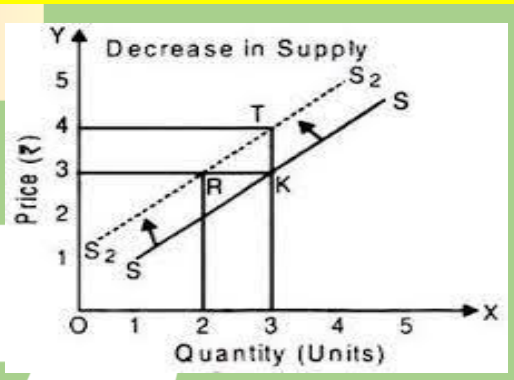

पूर्ति में कमी के कारण

- मशीनें एवं तकनीक पुरानी होने के कारण उत्पादन लागत में वृद्धि
- उत्पादन साधनों की कीमत वृद्धि के कारण उत्पादन लागत में होने वाली वृद्धि
- स्थानापन्न वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि
- उद्योग में फार्मों की संख्या में कमी
- इस निकट भविष्य में वस्तु की कीमत बढ़ने की संभावना
- फर्म के उद्देश्य में परिवर्तन

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

अर्थशास्त्र के सभी विषयों एवं कक्षाओं के नोट्स, प्रश्नोत्तर, सैंपल पेपर, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, विगत वर्षों के प्रश्नपत्र, अभ्यास प्रश्नपत्र (हिंदी या अंग्रेजी माध्यम) के PDF आपको www.theeconomicsguru.com पर मिल जायेंगे।

इसके साथ ही सभी हिंदी माध्यम तथा अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए Free **LIVE CLASS** भी उपलब्ध है, हमारे **YOUTUBE CHANNEL "THE ECONOMICS GURU"** पर । अभी **subscribe** कर लीजिये और ज्यदा से ज्यादा **शेयर** कर दीजिये अपने दोस्तों के बीच।

किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आप हमसे सम्पर्क कर सकते है, YOUTUBE के कमेंट बॉक्स में कमेन्ट करें या वेबसाइट के Email वाले Option में जाकर **Email** करे या WhatsApp कर सकते है (Website में लिंक दिया गया है।

धन्यवाद

नकुल ढाली

The Economics Guru

लाभार्थी बोर्ड:

CBSE, UK Board, UP Board, Bihar Board, MP Board, CG Board, Rajasthan Board, Haryana Board

साथ ही **BA; B.COM; MA** के सभी SEMESTER लिए भी अध्ययन सामग्री उपलब्ध है।

अभी VISIT करें www.theeconomicsguru.com

Subscribe my **YOUTUBE** channel **THE ECONOMICS GURU**

Follow me:

Facebook- *Nakul Dhali*

Instagram- *@theeconomicsguru*

THE ECONOMICS GURU

EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE